01
अध्याय

परिचय

चित्र संख्या–1.1

© JCERT not to be republished

परिचय –

1. अर्थशास्त्र का जनक 'एडम स्मिथ' को कहा जाता है।
2. एडम स्मिथ की प्रसिद्ध पुस्तक का नाम 'An Enquiry into the Nature and Causes of Wealth of Nations' - 1776 ('राष्ट्रों के धन के स्वरूप तथा कारणों की जाँच करना') है।

अर्थशास्त्र की परिभाषा

सुविधा की दृष्टि से प्रारंभ से लेकर अब तक जो परिभाषायें उपलब्ध हैं उनको पाँच वर्गों में बाँटा जा सकता है–

(1) क्लासिकल अर्थशास्त्रियों एडम स्मिथ, जे०वी० से सीनियर जे०एस० मिल आदि द्वारा दी गई परिभाषायें या धन संबंधी परिभाषायें।

(2) निओ क्लासिकल अर्थशास्त्रियों जैसे मार्शल, पीगू, कैनन आदि द्वारा दी गई परिभाषायें या कल्याण सम्बन्धी परिभाषाएं।

(3) आधुनिक अर्थशास्त्री राबिन्स द्वारा दी गई तथा प्रो० फिलिप विकस्टीड (Wicksteed), बॉन मिसेज (Von Mises), डॉ० स्ट्रिगल (Strigal), प्रो० पॉल ए. सेमुएलसन आदि द्वारा समर्थित सीमितता या दुर्लभता सम्बन्धी परिभाषा ।

(4) आवश्यकता विहीनता संबंधी परिभाषा प्रो० जे०के० मेहता।

(5) आधुनिक अर्थशास्त्रियों की परिभाषायें जो आर्थिक विकास तथा विकास जन्य पहलुओं पर बल देती हैं।

1. एडम स्मिथ के अनुसार "अर्थशास्त्र ज्ञान की वह शाखा है जो धन से संबंधित है।"

2. मार्शल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'प्रिन्सिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स' (Principles of Economics) में अर्थशास्त्र को परिभाषा इस प्रकार दी है – "राजनैतिक अर्थशास्त्र अथवा अर्थशास्त्र मानव–जाति के साधारण व्यापार का अध्ययन है। यह व्यक्तिगत तथा सामाजिक क्रियाओं के उस भाग की जाँच करता है जिसका निकट संबंध कल्याण के भौतिक साधनों की प्राप्ति तथा उनके उपभोग से है।"

3. पीगू के शब्दों में "अर्थशास्त्र आर्थिक कल्याण का अध्ययन है। आर्थिक कल्याण से हमारा अभिप्राय सामाजिक कल्याण के उस भाग से है जिसे प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मुद्रा के मापदण्ड से सम्बन्धित किया जा सकता है।"

4. रॉबिन्स के अनुसार "अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो साध्यों (Ends) तथा वैकल्पिक उपयोग वाले सीमित साधनों के सम्बन्ध के रूप में मानव–व्यवहार का अध्ययन करता है।"

5. इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो० जे० मेहता ने, जिन्हें 'भारतीय दार्शनिक सन्यासी अर्थशास्त्री' (Indian Philosopher Saint Economist) कहा जाता है, के अनुसार "अर्थशास्त्र एक विज्ञान है जो मानवीय व्यवहार की 'इच्छारहित अवस्था' या 'इच्छा विहीनता की स्थिति' तक पहुंचने के साधन के रूप में अध्ययन करता है।"

6. हिक्स के अनुसार "हम यह कह सकते हैं कि मानव–व्यवहार का वह विशिष्ट पहलू, जिसका अर्थशास्त्र अध्ययन करता है, व्यवसाय से सम्बन्धित मानव–व्यवहार है। अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो व्यावसायिक कार्य–कलापों का अध्ययन करता है।"

7. प्रो० विकस्टीड के अनुसार "अपने सबसे विस्तृत अर्थ में अर्थशास्त्र साधनों के प्रयोग तथा इस प्रयोग में उत्पन्न होने वाले नुकसानों के सामान्य सिद्धान्त का अध्ययन है।"

8. प्रो० मिसेज के अनुसार "अर्थशास्त्र की सबसे मौलिक समस्या साधनों के खर्च करने अथवा साधनों में मितव्ययिता लाने की है।"

© JCERT not to be republished

सामान्य अर्थशास्त्र :-

अर्थव्यवस्था किसी भी देश या भू–भाग में होने वाले उत्पादों या सेवाओं के उत्पादन, उपभोग, आयात, निर्यात तथा व्यापार आदि को प्रदर्शित करती है–

चित्र संख्या–1.2

अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं

- किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में? — उत्पादित वस्तुओं के चयन से संबंधित है।
- इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं? — उत्पादन की तकनीकी से संबंधित है।
- इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए? — कैसे वितरण किया जाए से संबंधित है।

© JCERT not to be republished

उत्पादन संभावना वक्र :-

अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों की सीमित मात्रा होती है किंतु उत्पादित की जाने वाली वस्तुएं असीमित होती हैं फलस्वरूप अर्थव्यवस्था को साधनों के वैकल्पिक उपयोगों के बीच चयन करना पड़ता है, इस प्रकार वस्तुओं के उत्पादन के अनेक विकल्प अर्थव्यवस्था के सामने आते हैं जिन्हें अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाएं कहते हैं यदि इन उत्पादन संभावनाओं को रेखा चित्र द्वारा दर्शाया जाता है तो वह उत्पादन संभावना वक्र कहलाता है।

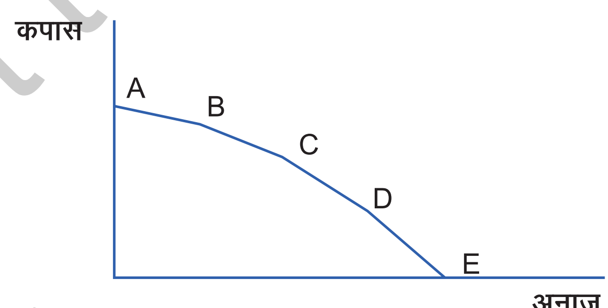

रेखाचित्र 1.1

चित्र संख्या–1.3

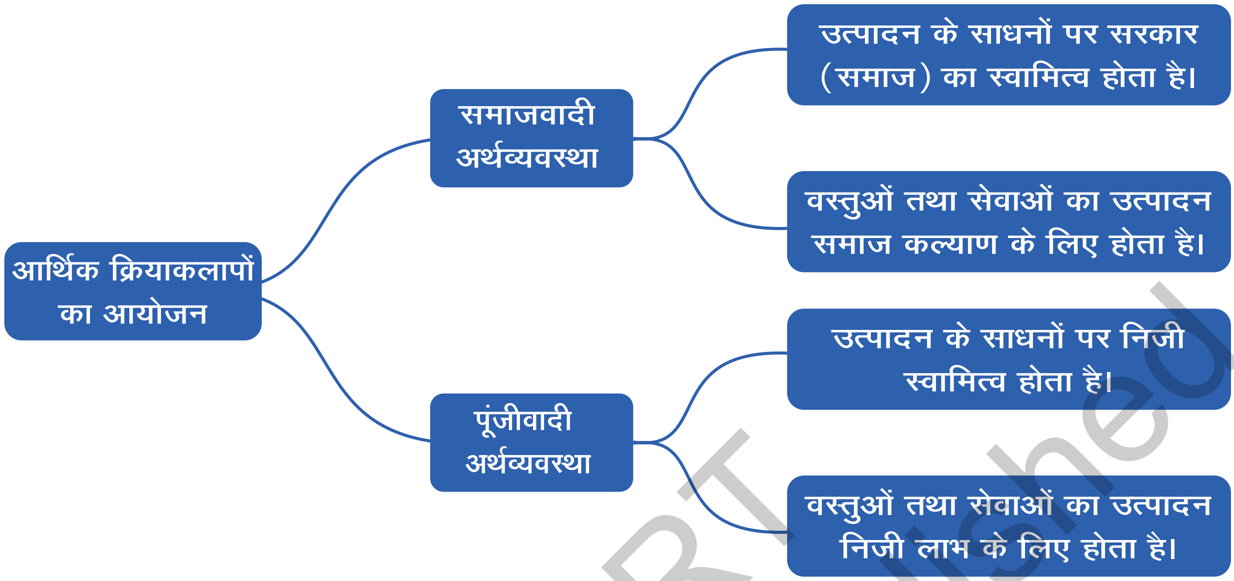

© JCERT not to be republished

चित्र संख्या–1.4

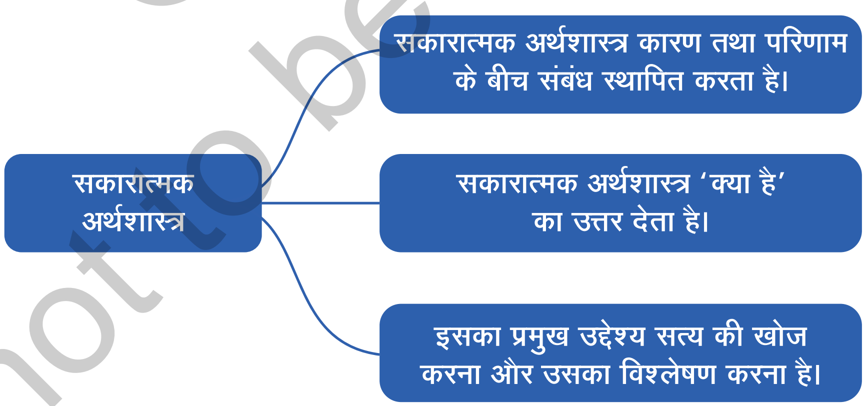

चित्र संख्या–1.5

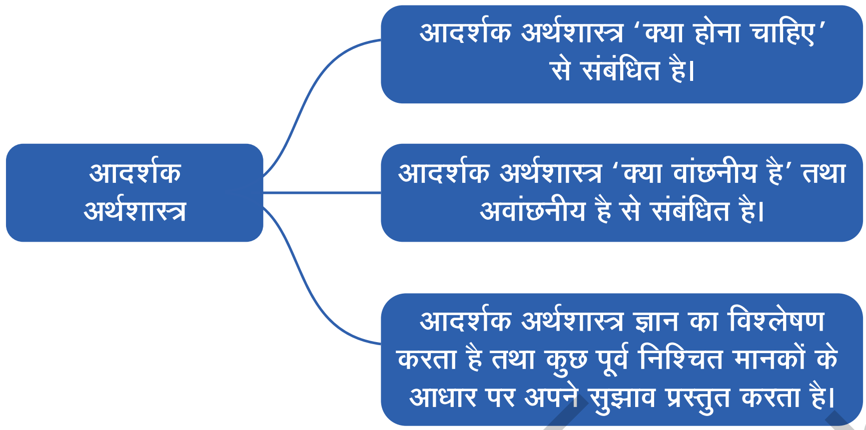

चित्र संख्या–1.6

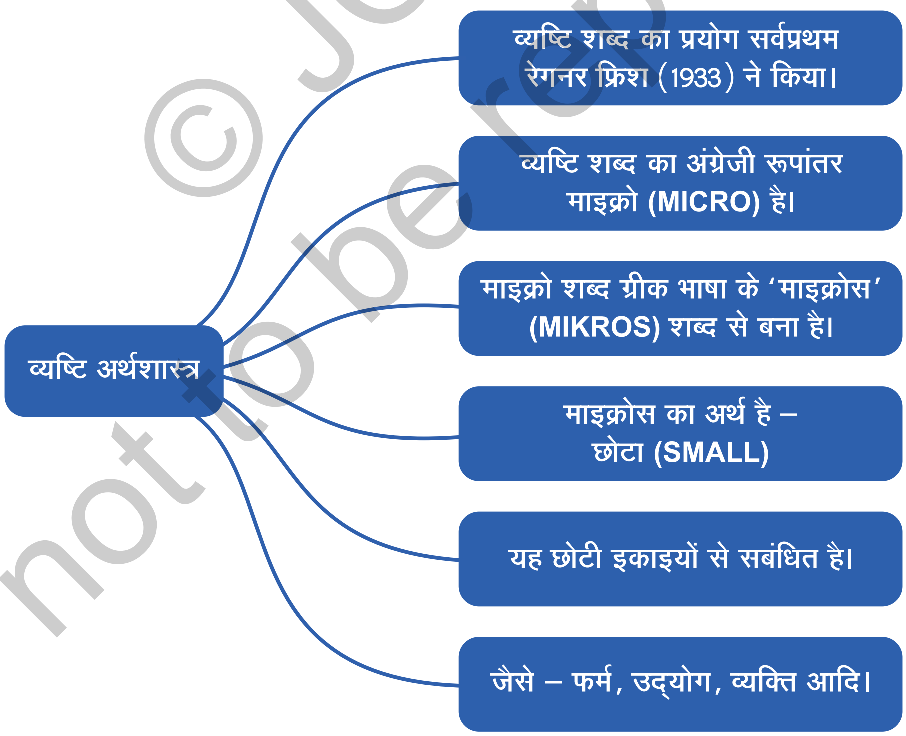

© JCERT not to be republished

चित्र संख्या–1.7

© JCERT not to be republished

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. व्यष्टि अर्थशास्त्र में शामिल होता है?

   (A) छोटे–छोटे चर (B) व्यक्तिगत इकाई

   (C) व्यक्तिगत मूल्य निर्धारण (D) इनमें सभी

   Answer :- D

2. सबसे पहले 'माइक्रो' शब्द का प्रयोग किसने किया?

   (A) मार्शल (B) केन्स

   (C) रैगनर फ्रिश (D) बोल्डिग

   Answer :- C

3. अर्थव्यवस्था की समस्या निम्नलिखित में कौन है?

   (A) आर्थिक विकास (B) साधनों का आवंटन

   (C) साधनों का कुशलतम प्रयोग (D) इनमें सभी

Answer :- D

4. आर्थिक समस्या मूलतः किस तथ्य की समस्या है?

(A) चुनाव की (B) फर्म चयन की

(C) उपभोक्ता चयन की (D) इनमें कोई नहीं ।

Answer :- A

5. अर्थव्यवस्था को वर्गीकृत किया जा सकता है?

(A) समाजवादी के रूप में (B) पूँजीवादी के रूप में

(C) मिश्रित के रूप में (D) इनमें से सभी

Answer :- D

6. उस वक्र का नाम बताएँ जो आर्थिक समस्या दर्शाता है?

(A) उदासीनता–वक्र (B) उत्पादन संभावना वक्र

(C) माँग वक्र (D) उत्पादन वक्र

Answer :- B

7. आर्थिक क्रिया के प्रकार हैं।

(A) उत्पादन (B) उपभोग

(C) विनिमय (D) इनमें सभी

Answer :- D

8. उत्पादन संभावना वक्र की निम्नलिखित में कौन प्रमुख विशेषताएँ हैं?

(A) उत्पादन संभावना वक्र बायें से दायें नीचे की ओर गिरता है।

(B) उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।

(C) A और B दोनों (D) इनमें सभी

Answer :- C

प्र० 1. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तरः अर्थव्यस्था की केन्द्रीय समस्याएँ इस प्रकार हैं–

(i) **किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में** –प्रत्येक समाज को यह निर्णय करना होता है कि यह किन वस्तुओं का उत्पादन करे और कितनी मात्रा में। यदि एक प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन अधिक किया जाए तो अर्थव्यवस्था में दूसरी प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन कम हो सकता है तथा विपरीत। एक अर्थव्यवस्था को यह निर्धारित करना पड़ता है कि वह खाद्य पदार्थों का उत्पादन करे या मशीनों का, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर खर्च करे या सैन्य सेवाओं के गठन पर, उपभोक्ता वस्तुएँ बनाए या पूँजीगत वस्तुएँ। निर्णायक सिद्धान्त यह है कि ऐसे संयोजन का उत्पादन करें, जिससे कुल समाप्त उपयोगिता अधिकतम हो।

© JCERT not to be republished

(ii) **वस्तुओं का उत्पादन कैसे करें**–सभी वस्तुओं का उत्पादन कई तकनीकों द्वारा हो सकता है किसी वस्तु के उत्पादन में श्रम प्रधान तकनीक का प्रयोग करें या पूंजी प्रधान तकनीक का, यह निर्णय लेना होता है। इसके लिए निर्णायक सिद्धान्त यह है कि ऐसी तकनीक का प्रयोग करें, जिसका औसत उत्पादन लागत न्यूनतम हो।

(iii) उत्पादन किसके लिए करें–अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी, अर्थव्यवस्था के उत्पादन को व्यक्ति विशेष में किस प्रकार विभाजित किया जाए। यह आय के वितरण पर निर्भर करता है। यदि आय समान रूप से विभाजित होगी, तो वस्तुएँ और सेवायें भी समान रूप से विभाजित होंगी। निर्णायक सिद्धान्त यह है कि वस्तुओं और सेवाओं को इस प्रकार वितरित करो कि बिना किसी को बद्त्तर बनाये किसी अन्य को बेहतर न बनाया जा सके।

प्र० 2. अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाओं से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर: किसी अर्थव्यवस्था के संसाधनों का प्रयोग करके दो वस्तुओं के जिन भी संयोजनों का उत्पादन करना संभव है। वे उत्पादन संभावनाएँ कहलाती हैं।

प्र० 3. सीमान्त उत्पादन संभावना क्या है?

उत्तर: सीमान्त उत्पादन संभावना दो वस्तुओं के उन संयोगों को दर्शाती है, जिनका उत्पादन अर्थव्यवस्था के संसाधनों का पूर्ण रूप से उपयोग करने पर किया जाता है। यह एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने की अवसर लागत है।

प्र० 4. अर्थव्यवस्था की विषय वस्तु की विवेचना कीजिए।

उत्तर: अर्थव्यवस्था की विषय वस्तु बहुत व्यापक है। प्रो. रोबिन्स के अनुसार, "अर्थशास्त्र एक ऐसा विज्ञान है जो दुर्लभ संसाधनों जिनके वैकल्पिक उपयोग हैं के विवेकशील प्रयोग पर केन्द्रित हैं।"

अर्थशास्त्र एक विषय वस्तु है जो दुर्लभ संसाधनों के विवेकशील प्रयोग पर इस प्रकार केन्द्रित है, जिससे कि हमारा आर्थिक कल्याण अधिकतम हो। अर्थशास्त्र के विषय वस्तु को दो भागों में वर्गीकृत किया गया है।

(क) व्यष्टि अर्थशास्त्र–यह आर्थिक समस्याओं तथा आर्थिक मुद्दों का अध्ययन व्यक्तिगत उपभोक्ता या व्यक्तिगत उत्पादक या उनके छोटे से समूह को ध्यान में रखकर करता है।

(ख) समष्टि अर्थशास्त्र–समष्टि अर्थशास्त्र संपूर्ण अर्थव्यवस्था के स्तर पर आर्थिक समस्याओं और आर्थिक मुद्दों को अध्ययन करता है।

© JCERT not to be republished

अर्थशास्त्र की विषय वस्तु

व्यष्टि अर्थशास्त्र

1. उपभोक्ता का सिद्धान्त
2. उत्पादक व्यवहार सिद्धान्त
3. कीमत निर्धारण
4. कल्याण अर्थशास्त्र

समष्टि अर्थशास्त्र

1. राष्ट्रीय आय तथा रोजगार
2. राजकोषीय और मौद्रिक नीतियाँ
3. अपस्फोति तथा स्फीति
4. सरकारी बजट
5. विनिमय दर और भुगतान शेष

प्र० 5. केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः

बाजार अर्थव्यवस्था	केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था
1. इस अर्थव्यवस्था में माँग और पूर्ति की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तक्रिया का पूर्ण वर्चस्व होता है।	केन्द्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था इस अर्थव्यवस्था में माँग और पूर्ति की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तक्रिया का अभाव होता है।
2. इसमें उत्पादन कारकों पर निजी स्वामित्व होता है।	इसमें उत्पादन कारकों पर सरकारी स्वामित्व होता है।
3. इसमें उत्पादन लाभ के उद्देश्य से किया जाता है।	इसमें उत्पादन समाज कल्याण के उद्देश्य से किया जाता है।
3. इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के निर्णय में कोई हस्तक्षेप नहीं करती।	इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के निर्णय में हस्तक्षेप करती है।
4. इसमें उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है।	इसमें उपभोक्ता की प्रभुता बाधित होती है।
5. अधिकारों के कारण पूँजी के संचय की अनुमति दी गई है।	यहाँ पूँजी के संचय की अनुमति नहीं दी गई है।
6. संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, फ्रांस, जापान आदि।	चीन, रूस

प्र० 6. सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तरः सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण के अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न कार्यविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं।

उदाहरणतः जब हम कहते हैं कि कीमत के बढ़ने से माँग की मात्रा कम हो जाती है और कीमत कम होने से माँग की मात्रा बढ़ जाती है तो यह सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण है।

© JCERT not to be republished

प्र० 7. आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तरः आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में हम यह समझाने का प्रयास करते हैं कि ये विधियाँ हमारे अनुकूल हैं भी या नहीं। उदाहरण के लिए जब हम कहते हैं कि सिगरेट और शराब की माँग कम करने के लिए उनके ऊपर कर की दरें बढ़ानी चाहिए तो यह आदर्शक विश्लेषण है।

प्र० 8. व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1. व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानना चाहते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अन्तःक्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।	समष्टि अर्थशास्त्र में हम कुल निगत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझाने का प्रयास करते हैं। हम यह जानने का प्रयास करते हैं कि समग्र उपायों के स्तर किस प्रकार निर्धारित होते हैं और समय अनुसार उनमें किस तरह के परिवर्तन आते हैं।
2. इसमें मुख्य उपकरण माँग और पूर्ति है।	इसमें मुख्य उपकरण समग्र माँग और समग्र पूर्ति है। इसके अन्तर्गत निम्नलिखित का अध्ययन होता है।
3. इसके अन्तर्गत निम्नलिखित का अध्ययन होता है।	
◆ उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत	◆ राष्ट्रीय आय रोजगार और समग्र कीमत स्तर
◆ उत्पादक व्यवहार का सिद्धांत	◆ स्फीति और उपस्फीति
◆ कीमत निर्धारण	◆ सरकारी बजट और नीतियाँ
◆ कल्याण अर्थशास्त्र	◆ विनिमय दर और भुगतान शेष

© JCERT not to be republished